अध्याय
05

यायावर सम्राज्य

भूमिका:-

यायावर लोग मूलत: **घुमक्कड़** होते हैं, ये यायावर मध्य एशिया के मंगोल थे, जिन्होंने **13** वीं और **14** वीं शताब्दी मे चंगेज खान के नेतृत्व मे एक विशाल साम्राज्य की स्थापना की, इनका साम्राज्य **एशिया** और **यूरोप** तक विस्तृत था।

मंगोल कौन थे -

1. मंगोल विविध **जनसमुदाय** का एक निकाय था।
2. कुछ मंगल **पशुपालक** थे और कुछ **शिकारी** थे।
3. पशुपालक घोड़े भेड़े बकरी और ऊँट पालते थे, पशुचारण के लिए यहाँ अनेक घास के मैदान थे।
4. इनका यायावायीकरण **मध्य एशिया** के **स्टेपी** मे हुआ था जोआज **मंगोलिया** देश में स्थित हैं।
5. कुछ शिकारी संग्राहक लोग साइबेरियाई वनों में रहते थे।
6. शिकारी संग्राहक लोग पशुपालक लोगों की तुलना में गरीब होते थे और जानवरों के खाल के व्यापार से अपना जीविका उपार्जन करते थे, ये लोग खेती नही करते थे।
7. मंगोल तंबू और जड़ों में निवास करते थे। प्राय: घास के मैदानों की सूखने के कारण इन्हें अपने पशुओं के साथ एक क्षेत्र से दूसरे क्षेत्र में चारा गांव की तलाश में भटकना पड़ता था, धनी परिवार विशाल होते थे उनके पास पशु भी अधिक होते थे और चारण भूमि भी अधिक होता था, इस कारण उनके उनके अनुयायी भी अधिक होते थे और स्थानीय राजनीति मे उनका दबदबा होता था।
8. **स्टेपी क्षेत्र** के संसाधनों की कमी होने के कारण यह लोग चीनी लोगों से वस्तु विनिमय करते थे **चीन** के लोग खेती करते थे मंगोल पशुओं के बदले उनसे अनाज प्राप्त करते थे यह व्यस्था दोनों के लिए लाभदायक था,यायावारी कबीले के लोग खेती से प्राप्त उत्पाद और लोहे के उपकरणों को चीन से लाते थे और बदले मे घोडे, फर, और स्टेपी मे पकड़े गये शिकार का विनिमय करते थे।
9. कभी-कभी **मंगोल** एवं **चीनी** लोगों का आपस में झड़प भी हो जाया करती थी।

© JCERT not to be republished

चंगेज खान की जीवनी—

1. चंगेज खान का जन्म **1162** ई में मंगोलिया के उत्तरी भाग में ओनोन नदी के निकट हुआ था।

2. उसका प्रारंभिक नाम **तेमुजीन** था।

3. उसके पिता का नाम यीशु जई था जो कि कियात कबीले का मुखिया था।

4. उसके पिता की अल्पायु में हत्या होने के कारण होने का कारण उसकी माता ओलुन ईके ने तेमुजीन और उसके सगे तथा सौतेले भाईयौ का लालन-पालन बड़ी कठिनाई से किया।

5. बचपन में तेमुजीन का अपहरण कर लिया गया एवं उससे दास बना लिया गया पत्नी बोरटे का भी विवाह के उपरांत अपहरण कर लिया गया।

6. तैमूजिन का प्रथम मित्र **बोघुरचु** था और उसका सगा भाई जमूका था जो उसका विशवनीय मित्र था।

7. **जमूका** उसका पुराना मित्र था जो बाद में उसका शत्रु बन गया।

8. 1180 और1190 के दशक में तेमुजीन ओंग खान का मित्र रहा और उसने मित्रता का इस्तेमाल जमूका जैसे शक्तिशाली शत्रुओ को हराने के लिए किया।

9. जमूका को पराजीत करने के बाद तेमुजीन मे काफी आत्मविश्वास आ गया।

10. अपने पिता के हत्यारे, शक्तिशाली ततार कैराइट और खुदऔग खान के विरुद्ध उसने **1203** ई मे अभियान शुरू किया।

11. 1206 ई मे निर्णायक रूप से जमूका और नेमान् लोगो को पराजीत किया इसके बाद उसे मंगोलो सरदारों की एक सभा(कुरिलटाई) ने उसे मान्यता दी और चंगेज खान को **समुद्री खां** या सार्वभौम शासक की उपाधि दी एवं मंगोलों का **महानायक** घोषित किया।

12. 1206 ई मे कुरील ताई से मान्यता मिलने के पूर्व चंगेज खान नेमंगोल लोगों को एक सशक्त अनुशासित सैन्य शक्ति के रूप मे तैयार कर अपने सैन्य अभियान की शुरुआत की। उसका पहला सैन्य अभियान चीन पर विजय प्राप्त करने की थी, **1209ई** मे उसने सिया लोगों को पराजीत किया, **1213** ई मे चीन की महान दीवार का अतिक्रमण हो गया, 1215ई मे **पेकिंग नगर** को लूटा गया।

13. 1234 ई तक चीन के विरुद्ध लंबी लड़ाई चली, लेकिन अपने सैन्य अभियान की सफलता से संतुष्ट होकर 1216ई मे मंगोलिया आपस आ गया।

14. **ख्वारिज्म** के **सुल्तान मोहम्मद** के साथ भी चंगेज़ खान का संघर्ष हुआ, उसने मंगोलो के दूत का वध कर दिया था, **1219** और **1221** ई के अभियानो मे समरकंद, बुखारा, बल्ख़, निशापुर, और हेरात को हराया गया, निशापुर को पूरी तरह से नष्ट् कर दिया गया।

15. अपने जीवन का अधिकांश भाग युद्ध में व्यतीत करने के बाद **1227** ई में चंगेज खान की मृत्यु हो गई।

16. उसने आश्चर्यजनक रूप से युद्ध अभियानों में सफलता प्राप्त की। मंगोलों और तुर्कों के घुड़सवारी कौशल ने उसकी सेना कोआसामान्य रूप से गति प्रदान की,घोडें पर सवार होकर उसकी तीरंदाजी का कौशल अध्भुत् था चंगेज खान ने घेराबादी यंत्र और बम्बारी के महत्व को पहचाना।

© JCERT not to be republished

चंगेज खान के उपरांत मंगोल

1. **पहला चरण** (1236-1242) — इस चरण में मंगोलों का रूस के स्टैफी क्षेत्र क्यो, पोलैंड एवं हंगरी मैं विजय प्राप्त हुई,

2. **दूसरा चरण** (1255-1300) — इस चरण मे मंगोलों का चीन ईरान इराक एवं सी रिया में विजय प्राप्त हुई,

3. 1203ई के बाद मंगोल सेना को बहुत कम विपति का सामना करना पडा लेकिन **1260** के बाद स्थिति बदल गई

4. वियना, पश्चिमी यूरोप एवं मिस्र मंगोल सेना के अधिकार मे रहे लेकिन उनके हंगरी के स्टेपी शेत्र से पीछे हटने एवं मिश्र की सेना से हारने से उनकी कमजोरी का पता चल गया।

5. इसके दो कारण थे, पहला मंगोल परिवार मे उत्राधिकार को लेकर संघर्ष शुरू हो गया,प्रथम दो पीढी **जोची** और **ओगोदेई** के **बंशज राज्य मे** नियंत्रण स्थापित करने के लिए यूरोप के अभियान को ज्यादा महत्व नही दिये।दूसरा कारण यह था की चंगेजखान के **तोलूयद** शाखा के बंशज ने जोची और ओगोदेई के बंशजो को कमजोर कर दिया।

6. तोलोए परिवार की चीन मे बढ़ती हुई रुचि ने एवं मिस्र अभियान मे छोटी सेना भेजने के कारण हुई पराजय ने मंगोलो का पश्चिमी की और उनका विस्तार रुक गया।

मंगोलों का सामाजिक राजनैतिक और सैनिक संगठन

1. मंगोलों के समाज मे हर तंदुरस्त सदस्य हथियार बंद होते थे जरूरत के अनुसार इन्ही से सेना बनती थी।

2. इनकी सेना अपेक्षाकृत छोटी लेकिन वह अविभेदित होती थी इसमें विभिनन जातियों का समूह सम्मिलित होती थी, पुरानी प्रथा मे कुल, कबीले, और सैनिक दशमलव् ईकाई एक साथ अस्तित्व मे थी, चंगेज खान ने इस प्रथा को समाप्त कर दिया।

3. चंगेज खान की सेना **दशमलव पद्धति** पर आधारित थी जो 10, 100,1000 और 10000 सैनिकों की इकाई में विभाजित था, सैनिकों की सबसे बड़ी इकाई **दस हजार** सैनिकों की थी जिसमे अनेक कबीले और कुलो के लोग शामिल होते थे, जिसे तुमन कहा जाता था।

4. नई सैनिक टुकड़िया उसके चार पुत्रों के अधीन थी यह विशेष रूप से चयनित कप्तानों के अधीन कार्य करती इससे नोयान कहा जाता था, इस व्यवस्था मे उसके अनुयायियों का समूह भी सम्मिलित होता था जो कई वर्षो से बड़ी निष्ठा से उनकी सेवा करती आ रही थी, चंगेज खान ने ऐसे व्यक्तियों को आंडा(सगा भाई) कहकर सम्मानित किया था।

5. इस नवीन श्रेणी मैं चंगेज खान ने अपने नव विजित लोगों पर शासन करने का उत्तरदायित्व अपने चार पुत्रों को सौंप दिया, इससे **उलुस** का गठन हुआ,उलुस का शाब्दिक अर्थ निश्चित भूभाग नहीं था

6. चंगेज खान ने पहले से ही एक **हरकारा** पद्धति अपना रखी थी जिससे राज्य के दूर दराजो के स्थानों में परस्पर संपर्क रखा जाता था इसमें अपेक्षाकृत सैनिक चौकियों में स्वस्थ एवं बलवान घोड़े तथा घुड़सवार संदेशवाहक तैनात रहते थे

7. इस संचार व्यवस्था को संचालित करने

© JCERT not to be republished

के लिए मंगोल अपने पशु समूह से घोड़े तथा अन्य पशुओं का **10 वां** हिस्सा प्रदान करते थे जिससे **कुबकर** कहा जाता था

8. मंगोल शासन में विजित लोगों को अपने नवीन शासकों से कोई लगाव नही था क्योकि युद्ध में अनेक नगर नष्ट कर दिए गए कृषि भूमि की हानि हुई एवं व्यापार खत्म हो गया, सैकड़ों हजारों लोग मारे गए एवं इससे कई गुना अधिक दास बनाए गए लेकिन इन अभियानों के खत्म होने से यूरोप और चीन की भूभाग परस्पर संबंध हो गए हो गए

9. मंगोल शासन में सामंजस्य स्थापित करने के लिए सुलभ यात्रा आवश्यक थी, सुरक्षित यात्रा के लिए **बाज** नामक कर अदा करने के बाद **पैजा** यानी मंगल भाषा में **जेरेन** नामक पास जारी किए जाते थे

10. चंगेज खान के पोते **कुबलाई खान** किसानों और नगरों के रक्षक के रूप में उभरा, गजन खां जो चंगेज खान के छोटे पुत्र तोलय का वंशज था, अपने परिवार के सदस्य और अन्य सेनापतियों को आगाह कर दिया था कि वे किसानो का शोषण नही करें।

11. चंगेज खान के शासनकाल मे ही मंगोलो ने पराजीत राज्यों से नागरिक प्रशासक को अपने यहां भर्ती कर लिया था, इनको कभी-कभी एक स्थान से दूसरे स्थान तबादला भी कर दिया जाता था। मंगोलो के शासन काल मे **यास** का बहुत ज्यादा महत्व था, यास का मतलब मंगोलो की **विधि सहिंता** से था,यास मंगोल जनजाति की प्रथागत परंपराओं का संकलन था, यास मंगोलों को समान आस्था रखने वाले के आधार पर संयुक्त करने में सफल हुआ। यास उनको कबीलाई पहचान बनाए रखने में और अपने नियमों को पराजित लोगों के ऊपर लागू करने का आत्मविश्वास दिया। यास एक बहुत ही सशक्त विचारधारा थी।

चंगेज खान के उत्तराधिकारी—

1. चंगेज खान का सबसे बड़ा पुत्र **जोची** था
2. इससे उत्तराधिकारी में **रूसी स्टेपी प्रदेश** प्राप्त हुआ।
3. चंगेज खान का दूसरा पुत्र **चघताई** था जिससे उत्तराधिकारी में पुरान का स्टेप्पी क्षेत्र एवं पामीर के पहाड़ी का उत्तरी क्षेत्र प्राप्त हुआ।
4. चंगेज खान ने अपने तीसरे पुत्र **ओगोदेई** को अपना उत्तराधिकारी घोषित किया उसने **काराकोरम** को अपनी राजधानी बनाया।
5. चंगेज खान के सबसे छोटे पुत्र **तोलॉय** को उत्तराधिकारी मे पैट्रिक भूमि **मंगोलिया** प्राप्त हुआ।

निष्कर्ष— चंगेज खान और मंगोलों का विश्व इतिहास में स्थान—

चंगेज खान एक महान विजेता नगरों को ध्वंस करने वाला और ऐसा व्यक्ति जो हजारों लोगों की मृत्यु का उत्तरदाई है । मंगोलों के लिए चंगेज खान अब तक का सबसे महान शासक था उसने मंगलो को संगठित किया लंबे समय से चली आ रही कबीलाई लड़ाई हूं और चीनियों द्वारा शोषण से मुक्ति दिलवाई साथ ही उन्हें समृद्ध बनाया। एक शानदार पार महाद्वीपीय साम्राज्य बनाया और व्यापार की रास्ता और बाजारों को पुनर्स्थापित किया। मंगल शासकों ने सब जातियों और धर्म के लोगों को अपने यहां प्रशासकों और हथियारबंद सनी दल के रूप में भर्ती किया।

© JCERT not to be republished

अभ्यास के अंतर्गत दिए गए प्रश्न उत्तर

प्रश्न 1. मंगोलों के लिए व्यापार क्यों इतना महत्वपूर्ण था?

उत्तर— स्टेपी प्रदेशों में मौलिक आवश्यकता की वस्तुओं के स्रोतों की कमी के कारण मंगोलों और मध्य एशिया के यायावारों को व्यापार और वस्तुओं के विनिमय के लिए चीन वासियों के पास जाना पड़ता था ।यह व्यवस्था दोनों पक्षों के लिए लाभकारी थी, यायवार कबीले खेती से प्राप्त उत्पादों और लोहे के उपकरणों को इनसे लाते थे और घोड़े फर और शिकार का व्यापार करते थे। जब मंगोल कबीलों के लोगों के साथ मिलकर व्यापार करते थे तो वे अपने चीनी पड़ोसियों से व्यापार में लाभकारी शर्ते और व्यापारिक संबंध रखते थे। इन सभी परिस्थितियों के कारण मंगोलों के लिए व्यापार महत्वपूर्ण था।

प्रश्न 2. चंगेज खान ने यह क्यों अनुभव किया कि मंगोल कबीलों को नवीन सामाजिक और सैनिक इकाइयों में विभक्त करने की आवश्यकता है?

उत्तर— मंगोलों के विभिन्न निकायों में अलग-अलग प्रकार के लोगों का एक विशाल समूह सम्मिलित था जिन्होंने चंगेज खान की सत्ता को स्वेच्छा से स्वीकार कर लिया था इसमें पराजित लोग भी शामिल थे चंगेज खान इन विभिन्न जनजातीय समूहों की पहचान को क्रमबद्ध रूप से मिटाकर उन्हें एक नई पहचान देना चाहता था इसलिए उससे मंगोल कबीलो को नवीन सामाजिक और सैनिक इकाइयों में व्यक्त करने की आवश्यकता अनुभव हुई।

प्रश्न 3. यास के बारे में प्रवृत्ति मंगोलों का चिंतन किस तरह चंगेज खान की स्मृति के साथ जुड़े हुए उनके तनावपूर्ण संबंधों को उजागर करता है?

उत्तर— यास एक प्रकार की नियम संहिता है ।चंगेज खान ने 1206 में यह संहिता लागू की थी यश का अर्थ था विधि आदेश। वास्तव में जो थोड़ा बहुत विवरण इसके बारे में मिलना है उसका संबंध प्रशासनिक नियमों से है जैसे आखेट सैनिक और डाक प्रणाली का संगठन। 13वीं सदी के मध्य तक किसी तरह से मंगल ने यह सब का प्रयोग सामान्य रूप से करना प्रारंभ कर दिया इसका मतलब था चंगेज खान की विधि संहिता। 16 वीं शताब्दी के अंत में चंगेज खान के सबसे बड़े पुत्र जोची का एक दूर का वंशज अब्दुल्ला खान बुखारा के उत्सव मैदान में गया, जहां उसने छुट्टी की नमाज अदा की और यास के नियमों का उल्लंघन किया। परवर्ती मुगल मंगोलों का चिंतन यश के विषय में बदल गया था।

प्रश्न 4. यदि इतिहास नगरों में रहने वाले साहित्यकारों के लिखित विवरण पर निर्भर करता है ।यायाबार समाजों के बारे में हमेशा प्रतिकूल विचार ही रखे जाएंगे। क्या आप इस कथन से सहमत हैं? क्या आप इसका कारण बताएंगे कि फारसी इतिवृत्त कारों ने मंगोल अभियानों में मारे गए लोगों की इतनी बढ़ा चढ़ाकर संख्या क्यों बताई है?

उत्तर— यह सच है कि यदि इतिहास लिखित तथ्यों पर विश्वास रखता है तो नगरों में रहने वाले साहित्यकारों के लिखित विवरणों के याया बार समाज के बारे में हमेशा ही प्रतिकूल विचार रखे जाएंगे। इन साहित्यकारों ने यायाबार के समाज संबंधी जो सूचना प्रस्तुत की हैं वह पक्षपात पूर्ण और विभिन्न देशों से परिपूर्ण है ।फारसी इतिहासकारों ने मंगल अभियान में मारे गए लोगों की संख्या निम्नलिखित कारणों से कारणों से बढ़ा चढ़ा कर बताई हैं—-

1. इतिहासकारों की सोच मंगोलों के प्रति गलत थी। वह उन्हें लुटेरे और हत्यारे के रूप में देखते थे।

© JCERT not to be republished

2. मारे गए लोगों की संख्या अनुमान पर आधारित है। जैसे फर्श इतिहासकार जुबैनी ने मर्व में 1300000 लोगों का वध किया। उसने इस संख्या का अनुमान इस प्रकार लगाया कि 13 दिन तक एक लाख शव प्रतिदिन गिने जाते थे।

प्रश्न 5. मंगोल और बेदोईन समाज की यायाबारी विशेषताओं को ध्यान में रखते हुए यह बताइए कि आपके विचार में किस तरह उनके ऐतिहासिक अनुभव एक दूसरे से भिन्न थे। इन भिन्नताओं से जुड़े कारणों को समझाने के लिए आप क्या स्पष्टीकरण देंगे?

उत्तर— मंगोल और बेदोईन समाज याया बारी समाज था। बेदोईन मंगोलों के समान क्रूर और असभ्य नहीं थे। वे ऊटों के साथ चारे की तलाश में यहां वहां भटकते रहते थे। कालांतर में हुए शहरों में बस गए थे और व्यापार या कृषि कार्य करने लगे ।जबकि मंगोल लूटमार कर अपना पोषण करते थे। हालांकि कालांतर में यह शहीद हुए और इन्होंने अपना साम्राज्य स्थापित किया। मंगोलों और बेदोईन के इस भिन्नता का कारण पर्यावरणीय स्थितियां और नेतृत्व की विचारधारा को माना जा सकता है।

प्रश्न 6. तेरहवीं शताब्दी के मध्य में मंगोलिया द्वारा निर्मित पैक्स मंगोलीका का निम्नलिखित विवरण उसके चरित्र को किस तरह उजागर करता है?

उत्तर— एक फ्रेनससकन भिछ रूबक निवासी विलियम को फ्रांस के सम्राट लुइ 9 ने राजदूत बना कर महान खान मोंके के दरबार में भेजा। वह 1254 में मौके की राजधानी कराकोरम पहुंचा और वहां हुआ लॉरेन फ्रांस की एक महिला परफेक्ट के संपर्क में आया, जिससे हंगरी से लाया गया था ।यह महिला राजकुमार की पत्नियों में से एक पत्नी की सेवा में नियुक्ति थी। जो नेस्टोरियन इस आई थी वह दरबार में एक फारसी जोहरी बूशेर के संपर्क में आया, जिसका भाई पेरिस में ग्रैंड फोंट में रहता था । उस व्यक्ति को सर्वप्रथम रानी सोरगकेतानी ने और उसके उपरांत मोंके छोटे भाई ने अपने पास नौकरी में रखा है। विलियम ने यह देखा कि विशाल दरबारी उत्सव में सर्वप्रथम नेस्टोरियन पुजारियों को उनके चिन्हों के साथ तथा इसके उपरांत मुसलमान,बौध्य और ताओ पुजारियों को महान खान को आशीर्वाद देने के लिए आमंत्रित किया जाता था।

उत्तर— 13वीं शताब्दी के मध्य मैं मंगोलिया द्वारा निर्मित पैक्स मंगोलिया का उपयुक्त विवरण उसकी धर्म सहिष्णुता को प्रकट करता है मंगल राज दरबार में किसी प्रकार जातीय भेदभाव नहीं था। विभिन्न देशों के निवासी राज दरबार में कार्यरत थे। पॉकेट फ्रांस और हंगरी से संबंध थी थी। उसका धर्म ईसाई था पर्शियन स्वर्णकार भी इस दरबार में था। राज दरबार में शासक सभी धर्मों का सम्मान करता था। वह ईसाई बुद्ध इस्लाम ताओ धर्म के पुजारियों से आशीर्वाद लेता था। इस प्रकार मंगोल राजा का चरित्र धर्मनिरपेक्ष था।

बहुविकल्पीय प्रश्न

प्रश्न 1. यायावारी लोगों मे कौन सा गुण नही होता है?

(क) घुमक्कड़ (ख) आखेटक

(ग) संग्रहि (घ) स्थाई निवास

प्रश्न 2. मंगोल कहां के निवासी थे

(क) स्टैपी प्रदेश (ख) भारत

(ग) चीन (घ) पाकिस्तान

प्रश्न 3.चंगेज खान का प्रारंभिक नाम क्या था

(क) तेमूजीन (ख) च्यांग

(ग) बाटू (घ) ओगोदेई

© JCERT not to be republished

प्रश्न 4. मंगोलिया गणराज कब बना

(क) 1921 ई (ख) 1922 ई

(ग) 1923 ई (घ) 1924 ई

प्रश्न 5. चंगेज खान की मृत्यु कब हुई

(क) 1224 ई (ख) 1226 ई

(ग) 1227 ई (घ) 1238ई

लघु उत्तरीय प्रश्न

प्रश्न 1. चंगेज खान कौन था और उसका समराज्य किन किन महाद्वीपों में था?

प्रश्न 2. उलुस किसे कहते हैं?

प्रश्न 3. चंगेज खान ने अपना उत्तराधिकारी किसे घोषित किया था?

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न

प्रश्न 1. चंगेज खान के सैन्य संगठन का वर्णन कीजिए?

प्रश्न 2. मंगोलों के लिए व्यापार क्यों इतना महत्वपूर्ण था?

© JCERT not to be republished